

## UP Board Notes Class 7 Sanskrit chapter 5 वयं स्वाधीना

---

**शब्दार्थः-** अधुना = इस समय, तिमिरः = अन्धकार, दिवसोऽप्यायातः = (दिवसः+अपि+आयातः) दिवस भी आ गया। नव्यम् = नया, वार्तागताखिला प्राचीना = (वार्ता+गता+अखिला) बात सम्पूर्ण रूप से समाप्त हो गयी, पुरानी परिस्थियां अब नहीं रहीं, पद्मश्रीः = कमलों की शोभा, पुलिनेषु = तटों पर, अधरेषु = ओठों पर, धनान्विताः = धन से युक्त, धनवान्, दृश्येरन् = दिखलाई दें, शिष्येरन् = शेष रहें, समोऽस्त्यधिकारः = (समः+अस्ति+अधिकारः) समान अधिकार है, सहकारः = सहयोग, सहचरः = साथी, उच्चाशयता = उच्च विहार।

**लोकेऽधुना ..... वयं स्वाधीनाः ॥1॥**

**हिन्दी अनुवाद** – इस समय हम सब स्वतन्त्र हैं। अँधेरा मिटा और प्रकाश फैल गया। खेलने तथा खुशी मनाने के दिन आ गए। यह नए युग का नया देश है। पुरानी बातें बीत गईं। अब हम सब स्वतन्त्र हैं।

**पद्मश्रीविहसति ..... वयं स्वाधीनाः ॥2॥**

**हिन्दी अनुवाद** – नदियों के तटों पर कमलों की शोभा है। लोगों के होठों पर मुसकान भी आई है। चारों ओर सुख-श्री-धन सम्पदा-समृद्धि ही अशेष रूप में दिखलाई दे। देश में कोई गरीबी में नहीं रहे; हर व्यक्ति अमीर बन जाए। अब हम सब स्वतन्त्र हैं।

**स्त्रीपुंसयोः ..... वयं स्वाधीनाः ॥3॥**

**हिन्दी अनुवाद** – यहाँ स्त्रियों और पुरुषों का समान अधिकार है; स्वाधीनता का सपना साकार हो चुका है। नया संविधान, शासन की नीतियाँ मनोनुकूल और नई हैं। हम सब स्वतन्त्र हैं।

**शान्तिर्मिलति ..... वयं स्वाधीनाः ॥4॥**

**हिन्दी अनुवाद** – सुरक्षा और व्यायाम से शान्ति मिलती है। सभी साथी, सहकर्मी आदि उदार तथा एक-दूसरे के सहायक हैं। सबके विचार ऊँचे हैं; किसी की भावना बुरी नहीं। अब हम सब स्वतन्त्र हैं।